"नौवीं एवं दशवीं कक्षा के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यावसायिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन"

विद्यया ऽ मृतमश्नुतें

एन सी ई आर टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय , भोपाल
एम. एड. (आर. आई. ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध – प्रबंध

2018 - 2020

मार्गदर्शक
प्रोफेसर रत्नमाला आर्या
शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन. सी. ई. आर . टी.) भोपाल

शोधार्थी
कुमारी कल्पना सिंह
एम. एड. (आर. आई. ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्टीय शैछिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद)
श्यामला हिल्स भोपाल

"नौंवी एवं दशवीं कक्षा के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यावसायिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन"

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय , भोपाल
एम. एड. (आर. आई. ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध – प्रबंध

2018 - 2020

मार्गदर्शक
प्रोफेसर रत्नमाला आर्या
शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन. सी. ई. आर . टी.) भोपाल

शोधार्थी
कुमारी कल्पना सिंह
एम. एड. (आर. आई. ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल

17 NOV 2021

D - 474

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्टीय शैछिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद)
श्यामला हिल्स भोपाल

<u>घोषणा पत्र</u>

मैं "**कल्पना सिंह**" **एम. एड.** (आर.आई. ई.) यह घोषणा करती हूं , कि मैंने नौंवी एवं दशवीं कक्षा के छात्र - छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यसायिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन नामक विषय पर लघु शोध प्रबंध 2019-2020 मैंने **प्रो. रत्नमाला आर्या** संकायाध्यक्ष , शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया है ।

यहलघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम. एड.(आर. आई. ई.) सत्र 2018 – 2020 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है ।

इस शोध में किए गए प्रदत्त एवं सूचनाएं विभिन्न स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किए गए हैं तथा यह प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

स्थानः- भोपाल

दिनांक :..09/10/20..

शोधार्थी

कुमारी कल्पना सिंह

एम. एड. (आर.आई.ई)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
एन. सी. ई. आर. टी. भोपाल

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध संबंधी कार्य की पूर्णता के लिए मैं अपने मार्गदर्शक डॉ रत्नमाला आर्या शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल की कृतज्ञ हूं ! जिन्होंने वयस्तताके बावजूद भी अपने सौहार्दपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाइयों का निराकरण किया एवं मुझे प्रगति की ओर अग्रसर करतीरही हैं, यह लघु शोध आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है आपके द्वारा धैर्य पूर्वक आत्मीयता, वात्सल्य पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा ।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. नित्यानंद प्रधान जी का जो इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्थान के प्रमुख है जिनका मार्गदर्शन एवं वैश्विक सोच इस संस्थान को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सदैव अग्रसर है! का आभार व्यक्त करती हूं एवं संस्थान के आधिष्ठाताडॉक्टर रमेश बाबू सर विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के स्नेह पूर्ण व्यवहार सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु ह्रदय से आभारी हूं।

मैं डॉ. संजय कुमार पंडागले तथा पुस्तकालय अध्यक्ष एवं उन समस्त गुरुजनों की ह्रदय से आभारी हूं जिन्होंने समय समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे शोध कार्य में सहयोग किया है ।

मैं भोपाल शहर के उन समस्त विद्यालय के प्रचार्य शिक्षकों तथा विद्यार्थियों की विशेष रूप से आभारी हूं जिन्होंने पत्रों के संकलन में अथक सहयोग किया है।

मैं अपने पूज्यनीय माता **श्री मती विद्या सिंह** , पिता जी **श्री नारायण सिंह** तथा परिवार के सभी सदस्य एवं सहयोगी मित्र गणों की जीवन पर्यंत ऋणी रहूंगी जिन्होंने मेरे अध्ययन की पूर्ति हेतु तन मन धन से सहयोग तथा आशीर्वाद किया है।

मैं अपने सभी सहपाठियों की आभारी हूं जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शोध कार्य करने में सहयोग किया है।

अंत में शोध कार्य में संदर्भित विविध विविध चरणों में शोध कार्य में जिन्होंने किसी ना किसी रूप में सहयोग प्रदान किया है उन सभी का सच्चे मन से तथा हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

स्थान:- भोपाल

दिनांक :..09/10/20..

शोधार्थी

कुमारी कल्पना सिंह

एम. एड. (आर.आई.ई)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

एन. सी. ई. आर. टी. भोपाल

अनुक्रमणिका

घोषणा –पत्र |

प्रमाण- पत्र ||

आभार –ज्ञापन |||

विषय वस्तु		पेज न.
अध्याय –प्रथम	**शोध परिचय**	
1.1	प्रस्तावना	1-4
1. 2	समस्या कथन	4
1. 3	समस्या कथन में प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या	4-5
1.4	शोध के उद्देश्य	5
1.5	शोध का परिसीमन	6
1.6	शोध की परिकल्पना	6
1.7	अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	6-7
अध्याय - 2	**संम्बन्धितसाहित्य कापुनरावलोकन**	
2.1	प्रस्तावना	8
2.2	साहित्य अध्ययन तथा पुन अवलोकन के लाभ	8-9

2.3 संबंधित शोध कार्यों का पुनर अवलोकन 9-14

अध्याय- 3 शोध प्रविधिएवं प्रक्रिया

3.1 न्याय दर्श एवं चयन 15-16

3.2 शोध के चर 16

3.3 शोध में प्रयुक्त उपकरण 16-17

3.4 प्रदत्त का संकलन 17-18

3.5 सांख्यिकी का उपयोग 18

अध्याय- 4 प्रदत्त विश्लेषणएवं परिणाम की व्याख्या

4.1 प्रस्तावना 19

4.2 प्रदत्त का सारणीयन 19

4.3 प्रदत्त के विश्लेषण का प्रस्तुतीकरण 19-20

4.4 प्रदत्त का विश्लेषण एवं परिणाम 20-23

अध्याय -5 शोध सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना 24

5.2 समस्या का कथन 24

5.3	शोध के उद्देश्य	24-25
5.4	शोध परिकल्पना	25
5.5	शोध चर	25
5.6	शोध का परिसीमन	25
5. 7	न्यादर्श	26
5.8	शोध में प्रयुक्त उपकरण	26
5.9	प्रदत्त का विश्लेषण	26
5.10	शोध के परिणाम	26-27
5.11	निष्कर्ष	27
5.12	शैक्षिक सुझाव	27-28
5.13	भविष्य के लिए शोध सुझाव	28

संदर्भ एवं सूची

परिशिष्ट

1. शैक्षिक उपलब्धि प्रपत्र
2. व्यावसायिक रुचि प्रपत्र